श्री वीतराग विज्ञान विद्यापीठ परीक्षाबोर्ड, जयपुर द्वारा संचालित

श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ

आत्मज्ञान ही ज्ञान है, शेष सभी अज्ञान विश्वशांति का मूल है, वीतराग विज्ञान

सा विद्या या विमुक्तये

भारतवर्षीय वीतराग-विज्ञान पाठशाला समिति, जयपुर

एवं

श्री वीतराग-विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड, जयपुर

विवरणिका

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन,

ए–4, बापूनगर, जयपुर–302015 (राज.)

फोन : 0141–2705581, 2707458 फैक्स : 0141–2704127

E-mail : ptstjaipur@yahoo.com www.ptst.in

श्री वीतराग विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड जयपुर द्वारा संचालित

श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-4, बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)
फोन : 2705581, 2707458 फैक्स : 2704127 ● E-mail : ptstjaipur@yahoo.com

परिचय

व्यक्तित्व विकास में आध्यात्मिक शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय आध्यात्मिक शिक्षा को समर्पित एक अनूठा संस्थान है। समाज के विभिन्न वर्गों के सदस्य इस महाविद्यालय में संचालित शिक्षा का लाभ लेना चाहते हैं, किन्तु वे अनेक विवशताओं के कारण नियमित छात्र के रूप में अध्ययन नहीं कर पाते है। अतः क्षेत्र व काल की बाधा को दूर कर जैन तत्त्वज्ञान को आधिकारिक रूप से जन-जन तक पहुँचाने के लिए मुक्त विश्वविद्यालयों की तर्ज पर सन् 2007 में **श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ** की स्थापना की गई है।

विश्वविद्यालयों में निर्धारित जैनदर्शन विषय सहित शास्त्री की शिक्षा प्राप्त करने हेतु लौकिक शिक्षा के अन्तर्गत संस्कृत और कला संकाय के पारंपरिक विषयों का अध्ययन करना भी अनिवार्य होता है, अतः जिज्ञासु होने पर भी खासकर महिलावर्ग व्यवस्था के अभाव में इस प्रकार के अध्ययन से वंचित रह जाता है। यह मुक्त विद्यापीठ इसी आवश्यकता की पूर्ति के लिए समर्पित और संस्कृत आदि की अनिवार्यता के बिना किसी भी जाति, उम्र, वर्ग के लिए जैनतत्त्व विद्या के प्रचार-प्रसार हेतु कटिबद्ध है। इस विद्यापीठ द्वारा जैनधर्म के सम्पूर्ण अध्ययन को ध्यान में रखते हुए निम्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

1. द्विवर्षीय विशारद परीक्षा :-

यह पाठ्यक्रम श्री टोडरमल दि. जैन सिद्धान्त महाविद्यालय द्वारा उपाध्याय वर्ग के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप दो वर्ष (चार सेमेस्टर) का है, जिसे सेमेस्टर के आधार से छह-छह महीने के पाठ्यक्रम में विभाजित किया गया है। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा प्रतिवर्ष जून माह व दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा दिसम्बर माह में होगी। चूंकि छात्र का नामांकन दो वर्ष के लिए होगा; अतः परीक्षार्थी को दोनों वर्षों का शुल्क कुल 200/- रु. एक साथ भेजना हैं।

शुल्क **'श्री वीतराग-विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड, जयपुर'** के नाम डी.डी., एम.ओ. या एटपार एकाउन्ट पेई चेक द्वारा भेज सकते हैं। अथवा 25/- रु. बैंक कमीशन के अतिरिक्त जोड़कर 225/- रु. इसके पी.एन.बी. बैंक, बापूनगर जयपुर ब्रांच के बचत खाता संख्या 0247000100005153 (IFS Code - PUNB 0024700) में ट्रांसफर करा सकते हैं। ट्रांजेक्शन की स्लिप फार्म के साथ लगाकर जयपुर कार्यालय को भेजें। प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण होने पर ही द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु पात्रता होगी।

2. त्रिवर्षीय सिद्धान्त विशारद परीक्षा :-

यह पाठ्यक्रम श्री टोडरमल दिगम्बर जैन सिद्धान्त महाविद्यालय द्वारा शास्त्री वर्ग के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप तीन वर्ष (छह सेमेस्टर) का है। जो कि सेमेस्टर आधार से छः-छः महीने के पाठ्यक्रम में विभाजित किया गया है। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा प्रतिवर्ष जून व दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा दिसम्बर माह में होगी। इसमें प्रवेश हेतु अभ्यार्थी का द्विवर्षीय विशारद उत्तीर्ण होना अनिवार्य है तथा इसमें नवीन नामांकन की आवश्यकता नहीं होगी; परीक्षार्थी अपने पुराने नामांकन क्रमांक से परीक्षा देवेगा। चूंकि इस पाठ्यक्रम में प्रवेश तीन वर्षों के लिए है; अतः इसका शुल्क 300/- रुपये एक साथ जमा करानी है। छात्र बार-बार शुल्क भेजने की असुविधा से बचना चाहे तो वे 5 वर्ष का शुल्क 500/- रु. एक साथ भी भेज सकते हैं। परीक्षार्थी तीनों वर्षों की परीक्षा क्रमशः देवेगा, साथ ही एक वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण होने पर ही आगामी वर्ष में प्रवेश हेतु पात्रता होगी।

श्री वीतराग विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड, जयपुर द्वारा संचालित

श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ

पाठ्यक्रम

1. द्विवर्षीय विशारद परीक्षा

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : वीतराग-विज्ञान पाठमाला भाग-एक
- द्वितीय प्रश्नपत्र : छहढाला (70 अंक) + सत्य की खोज (30 अंक)

द्वितीय सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : वीतराग-विज्ञान पाठमाला भाग-दो
- द्वितीय प्रश्नपत्र : वीतराग-विज्ञान पाठमाला भाग-तीन

द्वितीय वर्ष

प्रथम सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : तत्त्वज्ञान पाठमाला भाग-एक
- द्वितीय प्रश्नपत्र : लघु जैन सिद्धान्त प्रवेशिका

द्वितीय सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : तत्त्वज्ञान पाठमाला भाग-दो
- द्वितीय प्रश्नपत्र : धर्म के दशलक्षण (70 अंक) + भक्तामर स्तोत्र (30 अंक)

2. त्रिवर्षीय सिद्धान्त विशारद परीक्षा

प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : गुणस्थान विवेचन
- द्वितीय प्रश्नपत्र : क्रमबद्धपर्याय 70 अंक + सामान्य श्रावकाचार 30 अंक

द्वितीय सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : रत्नकरण्डश्रावकाचार
- द्वितीय प्रश्नपत्र : रामकहानी (70 अंक) + आप कुछ भी कहो (30 अंक)

द्वितीय वर्ष

प्रथम सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : समयसार - पूर्व रंग और जीवाजीवाधिकार (समयसार अनुशीलन भाग-1)
- द्वितीय प्रश्नपत्र : गोम्मटसार कर्मकाण्ड (प्रथम अध्याय) (गोम्मटसार कर्मकाण्ड विवेचिका)

द्वितीय सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : मोक्षमार्गप्रकाशक - एक से पाँच अधिकार तक।
- द्वितीय प्रश्नपत्र - नयचक्र : (पूर्वार्द्ध) निश्चय व्यवहार प्रकरण तक
- तृतीय प्रश्नपत्र -हरिवंशकथा (70 अंक) + भ. महावीर और उनका सर्वोदय तीर्थ (30 अंक)।

तृतीय वर्ष

प्रथम सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : समयसार - कर्त्ताकर्मअधिकार (समयसार अनुशीलन भाग-2)
- द्वितीय प्रश्नपत्र : गोम्मटसार जीवकाण्ड गाथा 70 से 215 तक (97 से 112 तक की गाथा छोड़कर) (गोम्मटसार जीवकाण्ड विवेचिका)

द्वितीय सेमेस्टर :
- प्रथम प्रश्नपत्र : मोक्षमार्गप्रकाशक - छह से नौ अधिकार तक
- द्वितीय प्रश्नपत्र : नयचक्र (उत्तरार्द्ध) - द्रव्यार्थिक-पर्यायार्थिक नय प्रकरण से सम्पूर्ण
- तृतीय प्रश्नपत्र : शलाका पुरुष (पूर्वार्ध एवं उत्तरार्ध)

नोट :

1. प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा प्रतिवर्ष जून के अन्तिम सप्ताह में एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा प्रतिवर्ष दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में आयोजित की जाती है। यदि किसी कारणवश कोई विद्यार्थी किसी सेमेस्टर की परीक्षा नहीं दे पाते हैं, तो वे ड्यू सेमेस्टर की परीक्षा अगले वर्ष के सेमेस्टर के साथ भी दे सकते हैं।

3. विशारद परीक्षा के प्रथम व द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम की पढ़ाई में सहायता के लिए विशारद संदर्भ गाईड भाग-1 व भाग-2 बनाई गई है।

4. क्रमबद्धपर्याय के लिए क्रमबद्धपर्याय निर्देशिका, नयचक्र के लिए नय रहस्य, समयसार के लिए समयसार गाईड सहायक पुस्तकें हैं, इन्हें आप हमारे पुस्तक बिक्री विभाग से प्राप्त कर सकते हैं।

5. गोम्मटसार कर्मकाण्ड का प्रथम प्रकृति समुत्कीर्तन अधिकार (1-86 गाथा तक) कोर्स में हैं।

6. गोम्मटसार जीवकाण्ड की गाथा 1-10 तक, 70-96 तक, 113-152 तक, 164-175 तक, 181-203 तक इसप्रकार 111 गाथायें एवं 14 मार्गणाओं की (हर अधिकार की पहली) 14 गाथायें और इसप्रकार कुल 125 गाथायें कोर्स में हैं।

नियमावली

1. मुक्तविद्यापीठ की प्रवेश प्रक्रिया सामान्यतः प्रतिवर्ष जनवरी एवं फरवरी माह में पूर्ण होती है, पाठ्यक्रम में प्रवेश कभी भी लिया जा सकता है, लेकिन परीक्षा सेमेस्टर के अनुसार ही होगी।
2. विशारद पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन–पत्र पूर्ण रूप से भरकर केन्द्रीय कार्यालय जयपुर के पते पर परीक्षा शुल्क के साथ भेजें। परीक्षा शुल्क के बिना आवेदन–पत्र स्वीकृत नहीं किया जावेगा।
3. सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 15 वर्ष है एवं शैक्षणिक योग्यता 10वीं कक्षा उत्तीर्ण है। प्रत्येक वर्ष के लिए शुल्क 100 रुपये निर्धारित है। चूंकि विशारद पाठ्यक्रम में छात्र का नामांकन दो वर्षों के लिए है अतः वे दोनों वर्षों का शुल्क 200/– रुपये एक साथ ही भेजें। इसी प्रकार सिद्धान्त विशारद पाठ्यक्रम में छात्र का नामांकन तीन वर्ष के लिए है। अतः वे तीनों वर्षों का शुल्क 300/– रुपये एक साथ ही भेजें। यदि पाठ्यपुस्तकों की आवश्यकता हो तो उनका शुल्क अतिरिक्त भेजकर पुस्तकें मंगा सकते हैं। या पाठ्यपुस्तकें **''पुस्तक बिक्री विभाग C/o टोडरमल स्मारक भवन, ए–4, बापूनगर, जयपुर–302015 (राज.)''** को पत्र लिखकर अलग से मंगा लेवें।
4. छात्र यह बात विशेष रूप से ध्यान रखें कि नामांकन एक बार होने पर वह 5 वर्ष के लिए मान्य हैं। अतः हर बार फार्म भरने की आवश्यकता नहीं है। फीस 200/– + 300/– रु. – इसप्रकार दो किश्तों में अथवा एकमुश्त 500/– रु. जमा करा सकते हैं।
5. आवेदन–पत्र प्राप्त होने पर केन्द्र द्वारा नामांकन क्रमांक मिलने के पश्चात् पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र को अपनी पढ़ाई स्वयं करनी है। अतः छात्र प्रतीक्षा न करें, पाठ्यपुस्तकों/सहायक पाठ्यपुस्तकों के आधार से अध्ययन प्रारंभ कर देवें।
6. प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा प्रतिवर्ष जून माह के अन्तिम सप्ताह में एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा दिसम्बर माह के अन्तिम सप्ताह में स्थानीय स्तर पर आयोजित की जाती है। परीक्षा के लिए छात्रों/केन्द्राधीक्षकों को प्रश्नपत्र उनके पते पर भेज दिए जाते हैं। छात्र/केन्द्र अपनी सुविधा के अनुसार परीक्षा की तिथि या उसके 15 दिन के भीतर प्रश्नपत्र हल करके मूल्यांकन हेतु उत्तर पुस्तिकायें रजिस्टर्ड डाक/कोरियर द्वारा जयपुर कार्यालय को भिजवा देंवें। ध्यान रखें कि पूर्वानुमति के अभाव में परीक्षा तिथि के 1 माह के उपरान्त प्राप्त हुई उत्तर पुस्तिका स्वीकार नहीं की जावेगी, उन्हें बिना मूल्यांकन किये ही छात्र/केन्द्राधीक्षकों को वापस लौटा दिया जावेगा।
7. विशारद पाठ्यक्रम करने वालों को ग्रीष्मकालीन शिविर में बालबोध प्रशिक्षण एवं सिद्धान्त विशारद पाठ्यक्रम करने वालों को प्रवेशिका प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। इसे वे अपनी सुविधानुसार पाँच वर्ष में कभी भी कर सकते हैं; परन्तु प्रशिक्षण के बिना उनका फाइनल रिजल्ट घोषित करने में असुविधा होगी।
8. प्रत्येक सेमेस्टर की परीक्षा तिथि के 2 माह पश्चात छात्रों/केन्द्रों को परीक्षा परिणाम डाक द्वारा भेज दिया जाता है, कदाचित् डाक की गड़बड़ी से उन्हें परीक्षा परिणाम न मिले तो जयपुर कार्यालय में फोन/ई–मेल कर मंगा लेवें। परीक्षा परिणाम दोनों सेमेस्टरों के अंक मिलाकर तैयार किया जावेगा। पाठ्यक्रम के पूरे सेमेस्टर उत्तीर्ण करने के पश्चात् छात्रों को डिग्री (अंकतालिका सहित) भेजी जावेगी।
9. सिद्धान्त विशारद पाठ्यक्रम के छात्र अक्टूबर शिविर के दौरान जयपुर उपस्थित हो सकते हैं। इस दौरान उन्हें आवश्यक नोट्स, गाईड लाईन उपलब्ध हो सकेगी। जयपुर में आवास, भोजन की समुचित व्यवस्था रहेगी। यदि कोई परीक्षार्थी जयपुर नहीं आ सकता हो तो वह स्थानीय रूप में उपलब्ध विद्वान या शास्त्री विद्वान से सहायता ले सकते हैं।
10. **केन्द्र से कोई भी पत्र–व्यवहार करने के लिए अपने नामांकन क्रमांक का उपयोग अवश्य करें।**
11. मुक्त विद्यापीठ से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए पीयूष जैन से 9785643202 पर सोमवार से शनिवार कार्यालय दिवस में 11 से 4 बजे के बीच टेलीफोन नं. – 0141–2707458, 2705581 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्री वीतराग विज्ञान विद्यापीठ परीक्षा बोर्ड, जयपुर द्वारा संचालित

श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-4, बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)
फोन : 2705581, 2707458 फैक्स : 2704127 • E-mail : ptstjaipur@yahoo.com

यहाँ फोटो चिपकायें

आवेदन-पत्र

नामांकन क्रमांक .... प्रवेश परीक्षासत्र ....
(एनरोलमेन्ट नं.) परीक्षाशुल्क ....

1. अभ्यार्थी का नाम श्री/श्रीमती/कु. ....
2. पिता/पति का नाम ....
3. पत्र व्यवहार का पूरा पता ....

म नं......... मुहल्ला......... ग्राम......... डाकघर.........
तहसील..................................
जिला......... राज्य......... पिन कोड : ☐☐☐☐☐☐
फोन नं. : एसटीडी कोड सहित : ☐
मोबाईल नम्बर : ☐

ई-मेल ....

4. व्यक्तिगत जानकारी : जन्मतिथि......... विवाहित/अविवाहित.........

व्यवसाय..................................
लौकिक शिक्षा..................................
धार्मिक शिक्षा..................................

हस्ताक्षर प्रार्थी

- -

नामांकन प्रपत्र/पावती स्लिप

छात्र/छात्रा .... पिता/पति श्री .... स्थान ....
का **विशारद परीक्षा** हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुआ एवं शुल्क रसीद क्रमांक .... द्वारा प्राप्त हुआ।
नामांकन क्रमांक (एनरोलमेन्ट नं.) .... है।
आपके क्षेत्रीय निदेशक ....

हस्ताक्षर परीक्षा प्रभारी
श्री टोडरमल जैन मुक्त विद्यापीठ
ए-4, बापूनगर, **जयपुर** 302015 (राज.)